Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

लिपुलेख के साथ कालापानी को बताया अपनी अंतराष्ट्रीय सीमा

नेपाल की दोहरी नीति ने चौकाया

हिमाकत

■नेपाल ने उतराखण्ड से लगती लगभग 805 किमी सीमा में किया बदलाव

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट

पिथौरागढ। भारत चीन नेपाल के त्रिकोणीय सीमा पर स्थित कालापानी इलाका सामारिक नजर से महत्वपूर्ण माना जाता है। बता दें कि नेपाल सरकार ने दावा किया है कि वर्ष 1816 में उसके और तत्कालीन ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच हुई सुगौली संधि के आधार पर कालापानी इलाके को अपना कहने का दावा प्रस्तुत करते नजर आ रहा है। नेपाल ने उतराखण्ड से लगती लगभग 805 किमी सीमा में बदलाव कर रहा है।

सूत्रों के मुताबिक लददाख हिमांचल उत्तर प्रदेश बिहार पश्चिम बंगाल और सिक्कम के साथ चीन से लगती सीमा को टच से मस तक नही किया है। बता दें कि नेपाल की दोहरी नीति के चलते उसने सामारिक लिहाज से

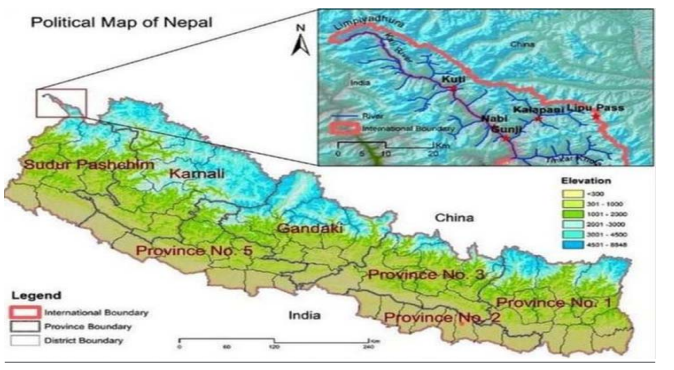

महत्वपूर्ण दोनों ही क्षेत्रों को अपना बताने के साथ भारत को दो टूक जवाब देने का मौका दे डाला है।

सूत्रों की मानें तो दो नवबंर 2019 को भारत ने भी नक्शा प्रस्तुत किया था। इस नक्से में लिपुलेख लिपियाधूरा व कालापानी को देखा जा सकता है। नेपाल द्वारा इस मसले पर नाराजगी देखने को मिली थी। वही भारत द्वारा नेपाल को बेहद करारा जवाब भी दिया गया था। तब ये मामला काफी हद तक शांत हो चुका था। वर्ष 1860 में पहली बार जब इलाके में सर्वे किया गया तो साल 1929 में कालापानी भारत का हिस्सा घोषित हुआ करता था। वही नेपाल द्वारा इसकी सामारिक पुष्टि किये जाने के संकेत मिले थे।

सुगौली संधि के भाग 05 के आधार पर नेपाल के द्वारा महाकाली नदी पर कोई भी अपना अधिकार नही दर्शा रहा है। वही बीते सोमवार को नेपाल मंत्री परिषद द्वारा गर्बाधार लिपुलेख मार्ग को लेकर अतिक्रमण बता विरोध प्रकट करने के साथ अब नये नक्शा प्रस्तुत कर दोहरी नीति के माध्यम से चौकाने में लग गया है। जब से चीन सीमा तक गर्बाधार लिपुलेख सड़क के बनने के बाद से नेपाल द्वारा इस मसले पर कड़ी राजनीति करते हुए गहमा गहमी का माहौल खडा किया गया। वही दोनों देशों के बीच यह कोई नया विवाद नही है। यह केवल अब तक एकपक्षीय मामला नजर आ रहा है। इससे पहले दोनों देशों के बीच कभी भी गहमा गहमी नही देखने को मिली है। सूत्रों की मानें तो भारत ने अब तक किसी दूसरे के क्षेत्र में दखल अंदाजी नही की है।

वही नेपाल के विदेश मंत्री के बयानों के आधार पर जानकारी मिली है कि इस मामले पर दोनों देश आपस में गहन मंथन करने के बाद उच्च स्तरीय वार्ता करने को तैयार होने पर सकारात्मक कदम उठा पायेंगे। उनके बयानों के आधार पर इस मतभेद को निपटाने का एकमात्र सामाधान दोनों देशों के बातचीत से ही संभव हो सकता है। वही नेपाल का यह एकपक्षीय दावा बेहद चौंकाने वाला साबित हो रहा है।

न्यूज डायरी

महिला व नवजात की मौत की जांच करने के लिए कमेटी हुई गठित

संवाददाता पिथौरागढ़। बीते माह छह मई को जलतूरी गांव की महिला और उसके नवजात बच्चे की मौत के लिए प्रशासन ने जांच कमेटी गठित कर दी है। बता दें कि उपजिलाअधिकारी सदर की अध्यक्षता में गठित कमेटी अब एक सप्ताह के भीतर इस मामलेकी जांच शुरू कर देगी। जानकारी के मुताबिक जलतुरी गांव निवासी कल्पना देवी को प्रसव के लिए जिले के महिला अस्पताल में लाया गया था। वही प्रसव के बाद बच्चे की मौत हो गई थी। आनन फानन में महिला की हालत बिगडने पर उसे हायर सेंटर रेफर किया गया। वही मौके पर महिला की भी मौत हो गई थी। वही जिलाअधिकारी वी के जोगदडे ने मामले की जांच के लिए उपजिलाअधिकारी तुषार सैनी की अध्यक्षता में चार सदस्यीय जांच कमेटी गठित कर दी है।

शिकायत मिलने पर सख्त हुए जिलाधिकारी

संवाददाता पिथौरागढ़। जिले में बाहर से आये स्थानीय प्रवासी लोगों को जिला प्रशासन द्वारा नगर के स्थानीय स्कूलों व इनके घरों में होम क्वारंटाइन कराने के लिए भेजा गया है। बता दें कि जिला प्रशासन को इलाके के सामाजिक संगठनों के माध्यम से शिकायत मिल रही थी कि बाहरी प्रदेशों से आये प्रवासी घरों में होम क्वारंटाइन का सही तरीके से पालन नही कर रहे है। वही ये लोग बाजारों में अनावश्यक तौर पर घूम रहे है। इसी के मददेनजर बीती सांय को जिलाधिकारी डा. विजय कुमार जोगदडे ने इलाके के जगदंबा कालोनी के घरों में छापेमारी की। प्रशासन द्वारा अब होम क्वारंटाइन करने वालों के घरों में पोस्टर चस्पा कर दिये गये है। लोगों को हिदायत दी है कि होम क्वारंटाइन का कडाई से पालन किया जाए।

सूबेदार की आकस्मिक मौत से परिवार में मचा कोहराम

संवाददाता पिथौरागढ़। पिथौरागढ़ जिले के कलानीछीना ब्लाक के मलान मितडा गांव निवासी भुवनजोशी पुत्र सूबेदार प्रेम बल्लभ जोशी भारतीय सेना की नाइन कुमाउ में तैनात थे। बमा दें कि वर्तमान में उनकी तैनाती अरूणांचल प्रदेश तंवाग में थी। बीते सोमवार सुबह उयूटी के दौरान उन्हें अचानक ह्रदयाघात हुआ और उनकी तबियत बिगड गयी। वहीी अस्पताल पहुचाने से पहले उन्होंने दम तोड दिया। वही सेना के अधिकारियों के द्वारा जब ये दुखद खबर की सूचना उनके परिवार वालों को भेजी गई तो उनके परिवार में कोहराम मच गया। गुरूवार को उनका शव उनके पैत्रक गांव पहुचने की उमीद है।

सोशल डिस्टेसिंग के बीच परिणय सूत्र में बंधे नव दम्पत्ति

संवाददाता देहरादून। दोस्तों की मदद से एक गरीब लड़के व लड़की की शादी जैन धर्मशाला में सोशल डिस्टेसिंग का पालन करते हुए चारू और अमित मंत्रोच्चार के बीच परिणय सूत्र में बंध गये। इस अवसर पर नवदम्पत्ति को वहां पर उपस्थित लोगों ने अपना आशीर्वाद दिया। जैन धर्मशाला में गरीब लड़की चारु नारंग और लड़का अमित यादव लक्खी बाग निवासी की लव मैरिज है और मगर शादी एक हफ्ते पहल ही तय हुई थी।

इस अवसर पर बताया गया है कि लड़के व लड़की दोनों के ही बाप नही है और दोनों ही तरफ से पैसे की भी कमी हैं और जिसके कारण वह शादी करने में असमर्थ थे और इस बीच लडके के दोस्तों ने अन्य लोगों के सहयोग से शादी के लिए समुचित धनराशि जुटाई और फिर उन दोनों की शादी करवाई गई और शादी में आवश्यक सामान भी प्रदान किया गया। इस अवसर पर बताया गया कि लड़के के दोस्तों के सहयोग से ये शादी हुई हैं आयुष सोशल डिस्टेन्स का पालन करते हुए विवाह सम्पन्न किया गया।

तुंगनाथ धाम में विराजे तृतीय केदार, पीएम मोदी के नाम से हुआ बाबा का पहला रुद्राभिषेक

संवाददाता

उत्सव डोली को मंदिर परिसर में किया गया विराजमान

रुद्रप्रयाग। तृतीय केदार तुंगनाथ के कपाट ग्रीष्मकाल के लिए विधि–विधान से खोल दिए गए हैं। बाबा तुंगनाथ मंदिर में भगवान तुंगनाथ का प्रथम रुद्राभिषेक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम से संपन्न कराया गया। इससे पहले तुंगनाथ की डोली सुबह नौ बजे चोपता से तुंगनाथ पहुंची, जिसके बाद उत्सव डोली को मंदिर परिसर में विराजमान किया गया। उत्सव डोली 18 मई को शीतकालीन गद्दी स्थल मक्कूमठ से रवाना हुई थी।

समुद्र तल से 11349 फीट ऊंचाई पर स्थित तृतीय केदारनाथ तुंगनाथ के कपाट सुबह 11 बजकर 30 मिनट पर पूरे विधि–विधान के साथ खोल दिए गए। इस अवसर पर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया गया। सभी मास्क पहने नजर आए। इस अवसर पर देवस्थानम बोर्ड, हक हकूकधारी और प्रशासन के चुनिंदा प्रतिनिधि इस अवसर पर मौजूद रहे।

कपाट खुलने के बाद बाबा की समाधि पूजा, रुद्राभिषेक और जलाभिषेक किया गया। साथ ही जन कल्याण की कामना की गई। इस अवसर पर देवस्थानम बोर्ड के सुपरवाइजर यदुवीर पुष्पवान, तहसीलदार जयबीर राम बधाणी, मठाधिपति राम प्रसाद मैठाणी औक प्रबंधक प्रकाश पुरोहित मौजूद रहे।

तुंगनाथ के कपाट खुलने के बाद अब उत्तराखंड के चार धामों सहित पंच बदरी और पंच केदार के कपाट ग्रीष्मकाल के लिए खुल चुके हैं। कोरोना महामारी से बचाव के लिए अभी चारधाम यात्रा शुरू नहीं की गई है। प्रदेश के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज का कहना है कि महामारी खत्म होने के बाद जल्द ही चारधाम यात्रा शुरू होने की उम्मीद है।

उत्तराखंड चारधाम देवस्थानम बोर्ड के मीडिया प्रभारी डा. हरीश गौड़ ने बताया कि उत्तराखंड के चार धामों में गंगोत्री–यमुनोत्री धाम के कपाट 26 अप्रैल, केदारनाथ धाम के कपाट 29 और बदरीनाथ धाम के कपाट 15 मई को खोल दिए गए हैं।

घरेलू पानी व बिजली के साथ स्कूल फीस माफ करने का आवासीय धरना

संवाददाता डोईवाला। उत्तराखंड युवा कांग्रेस द्वारा पूरे प्रदेश में स्कूल फीस माफी की मांग तथा राज्य में घरेलू पानी व बिजली के बिल तीन महीने के लिए माफ करने की मांग हेतु सांकेतिक धरना अपने–अपने निवास पर सोशल डिस्टेसिंग का ख्याल रखते हुए दिया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत से आग्रह किया कि जन सरोकार के मुद्दों पर विशेष रूप से ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है और दिशा निर्देश दिया जाये। युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष राहुल सैनी के कहने पर सभी युवा कांग्रेस डोईवाला के कार्यकर्ताओं ने कोविड 19 जैसी खतरनाक बीमारी के चलते लॉकडाउन से अपना काम–काज समाप्त होने के बाद अर्थिक स्तिथि खराब होने के कारण उत्तराखंड सरकार से बिजली,पानी और स्कूल फीस माफ करने की मांग की गई। इस अवसर पर स्लोगन लिखे चार्ट हाथ मे पकडकर अपने–अपने निवास स्थान से ही मांग की जिससे सरकार जनता को कुछ राहत देने की जरूरत है और जिससे गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को कुछ राहत मिल सके ओर उनके सामने किसी प्रकार का संकट खड़ा न हो और उनकी जीविका धीरे–धीरे पटरी पर आए।